

पद्मभूषण डॉ. आर. एस. परोदा ने भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर में अत्याधुनिक केंद्रीय प्रयोगशालाओं का किया उद्घाटन

अजमेर, 9 अक्टूबर 2026। भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर में जीनोम एडिटिंग परियोजना के अंतर्गत स्थापित अत्याधुनिक केंद्रीय प्रयोगशालाओं-आणविक जीवविज्ञान एवं पादप उत्क संवर्धन प्रयोगशाला-का उद्घाटन शुक्रवार को पद्मभूषण डॉ. आर. एस. परोदा, पूर्व सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (डेयर) एवं महानिदेशक, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (भाकृअनुप), नई दिल्ली, के कर-कमलों द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्र के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज की गरिमामयी उपस्थिति रही। डॉ. परोदा ने केंद्र द्वारा विकसित मेथी जननद्रव्य डेटाबेस का भी लोकार्पण किया।

कार्यक्रम के प्रारंभ में केंद्र के निदेशक डॉ. विनय भारद्वाज ने डॉ. परोदा का स्वागत किया तथा संस्थान की प्रमुख अनुसंधान गतिविधियों, वैज्ञानिक उपलब्धियों, संस्थागत प्रगति एवं भावी अनुसंधान प्राथमिकताओं का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया। उन्होंने बीजीय मसाला फसलों के अनुसंधान, जननद्रव्य संरक्षण, फसल सुधार तथा आधुनिक प्रौद्योगिकियों के उपयोग की दिशा में केंद्र द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

जीनोम एडिटिंग परियोजना के अंतर्गत स्थापित इन केंद्रीय प्रयोगशालाओं से बीजीय मसाला फसलों में आधुनिक जैव प्रौद्योगिकी एवं जीनोम एडिटिंग आधारित अनुसंधान को नई दिशा और गति मिलेगी। केंद्रीय आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला में जेनेटिक एनालाइज़र सहित अत्याधुनिक वैज्ञानिक उपकरण उपलब्ध हैं, जो आणविक लक्षण-वर्णन, आनुवंशिक विश्लेषण एवं जीनोमिक्स अनुसंधान को सुदृढ़ बनाने में सहायक होंगे। वहीं, पादप उत्क संवर्धन प्रयोगशाला के माध्यम से पादप जैव प्रौद्योगिकी, उत्क संवर्धन तथा जीनोम एडिटिंग से संबंधित अनुसंधान गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा।

दौरे के दौरान डॉ. परोदा ने संस्थान की विभिन्न प्रयोगशालाओं, संस्थान संग्रहालय तथा नवनिर्मित बीज प्रसंस्करण संयंत्र का अवलोकन किया। उन्होंने केंद्र की जननद्रव्य मध्यम अवधि भंडारण सुविधा (Medium-Term Storage-MTS Facility) का भी निरीक्षण किया तथा बीजीय मसाला फसलों के बहुमूल्य आनुवंशिक संसाधनों के संरक्षण, लक्षण-वर्णन एवं प्रभावी उपयोग की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। उन्होंने संस्थान में संचालित अनुसंधान गतिविधियों, नवीन तकनीकों एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों के संबंध में जानकारी प्राप्त की।

कार्यक्रम का एक अन्य प्रमुख आकर्षण मेथी जननद्रव्य डेटाबेस का लोकार्पण रहा। यह एक इंटरैक्टिव डिजिटल प्लेटफॉर्म है।

वैज्ञानिकों, कर्मचारियों एवं उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए डॉ. परोदा ने संस्थान की अनुसंधान प्राथमिकताओं को निर्धारित करने, वैज्ञानिक अवसंरचना को सुदृढ़ बनाने तथा उत्कृष्ट अनुसंधान एवं संस्थागत अभिलेखों के उच्च मानकों को बनाए रखने की आवश्यकता पर विशेष बल दिया। उन्होंने केंद्र की उपलब्धियों की सराहना करते हुए वैज्ञानिकों को अनुसंधान में उत्कृष्टता प्राप्त करने तथा बीजीय मसाला उत्पादन से संबंधित उभरती चुनौतियों के समाधान हेतु निरंतर प्रयास करने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. परोदा ने बीजीय मसाला फसलों के लिए भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के अंतर्गत एक समर्पित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (AICRP on Seed Spices) की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने आशा व्यक्त की कि निकट भविष्य में ऐसी परियोजना स्थापित हो सकती है, जिससे देशभर में बीजीय मसाला फसलों पर समन्वित अनुसंधान, संस्थागत सहयोग, प्रौद्योगिकी विकास तथा फसल सुधार गतिविधियों को और अधिक मजबूती मिलेगी।

अपने प्रेरणादायक संबोधन में डॉ. परोदा ने वैज्ञानिकों से सकारात्मक, नवाचारोन्मुख एवं राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखने वाली सोच अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने भारत की हरित क्रांति के प्रमुख शिल्पकार डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन के दूरदर्शी योगदान को स्मरण करते हुए वैज्ञानिकों को समर्पण, प्रतिबद्धता एवं वैज्ञानिक उत्कृष्टता के साथ कार्य करने तथा देश की कृषि प्रगति में सार्थक योगदान देने के लिए प्रेरित किया। डॉ. परोदा का यह दौरा भाकृअनुप-राष्ट्रीय बीजीय मसाला अनुसंधान केंद्र, अजमेर के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर रहा।

